भारत सरकार
अंतरिक्ष विभाग
*** * ***

<u>विषय: सितंबर, 2024 माह के लिए अंतरिक्ष विभाग का मासिक सार</u>
<u>भाग- I (अवर्गीकृत)</u>

I. माह के दौरान लिए गए महत्वपूर्ण नीतिगत निर्णय और प्रमुख उपलब्धियां

भारत सरकार के केंद्रीय मंत्रिमंडल ने चार प्रमुख परियोजना प्रस्तावों को मंजूरी दी है: (1) भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन (बी.ए.एस.-01) के पहले मॉड्यूल तक गगनयान अनुवर्ती मिशन (2) चंद्रयान 4: चंद्र नमूना वापसी मिशन, (3) आगामी पीढ़ी प्रमोचन यान (एन.जी.एल.वी.) और (4) शुक्र कक्षित्र मिशन (वी.ओ.एम.)।

क. <u>अंतरिक्ष परिवहन:</u>

- उन्नत क्रायोजेनिक ऊपरी चरण (सी.32) के लिए द्रव मॉकअप परीक्षण 27 सितंबर, 2024 को सफलतापूर्वक पूरा किया गया। इस परीक्षण के साथ, गगनयान मिशन की पहली मानवरहित उड़ान के लिए उड़ान चरण तैयार है।

ख. <u>अंतरिक्ष अनुप्रयोग:</u>

I. <u>भू-प्रेक्षण :</u>

- कृषि प्रौद्योगिकी परियोजना (राज्य सरकारों के लिए): महाराष्ट्र राज्य के लिए 2024-25 की खरीफ फसलों के लिए बुआई क्षेत्र की प्रगति और मौसम तथा भू-आंकड़ा के विश्लेषण का मॉनीटरन किया गया।
- जल-सूचना उत्पादों और सेवाओं का विकास [जल शक्ति मंत्रालय (एम.ओ.जे.एस.) के लिए राष्ट्रीय जल विज्ञान परियोजना (एन.एच.पी.)]: विभिन्न परिदृश्यों के लिए ब्रह्मपुत्र तलहटी में शाको चो हिमनद के लिए हिमनद विस्फोट बाढ़ मॉडलिंग पूरा हो गया है।
- आवास एवं शहरी कार्य मंत्रालय (एम.ओ.एच. एंड यू.ए.) के लिए शहरी जलाशय सूचना प्रणाली (यू.डब्ल्यू.ए.आई.एस.): 12 शहरों (संचयी 66 शहरों) में चयनित (प्राथमिकता) जलाशय के लिए भू-उपयोग / भू-आच्छादन परिवर्तन मूल्यांकन पूरा कर लिया गया है।
- कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय (एम.ओ.ए. एंड एफ.डब्ल्यू.) के लिए नवीन विकास कार्यक्रम (पुरस्कार) के माध्यम से कृषि समुत्थान हेतु जलसंभर का कायाकल्प: जलसंभर योजना और विकास के लिए भू-स्थानिक अनुप्रयोगों पर राष्ट्रीय तकनीकी मानकों का संशोधित संस्करण राष्ट्रीय वर्षा आधारित क्षेत्र प्राधिकरण को प्रस्तुत किया गया है।
- माननीय मुख्यमंत्री, मेघालय ने मेघालय के खनिज खनन डेटाबेस पर परियोजना रिपोर्ट जारी की, जिसे उ.पू.सैक/अं.वि. के साथ संयुक्त रूप से तैयार किया गया।

- उत्तराखंड के माननीय मुख्यमंत्री ने इसरो/आई.आई.आर.एस.सी. (https://maps.iirs.gov.in/champawat) द्वारा विकसित आदर्श चंपावत भू-स्थानिक डैशबोर्ड का शुभारंभ किया।
- एस.आर.ओ./एन.आर.एस.सी. और अं.वि./उ.पू.सैक को आई.आई.टी. बॉम्बे राष्ट्रीय भू-स्थानिक पुरस्कार 2024 (संस्करण 01) के हिस्से के रूप में क्रमशः राष्ट्रीय भू-स्थानिक एनेबलर पुरस्कार और राष्ट्रीय भू-स्थानिक एनेबलर पुरस्कार (जूरी पुरस्कार) से सम्मानित किया गया है।

II. <u>आपदा प्रबंधन सहायता:</u>

- आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, गुजरात, बिहार, उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल, हिमाचल प्रदेश और त्रिपुरा राज्यों में बाढ़ को कवर करने वाले 70 बाढ़ जलप्लावन मानचित्र/मूल्य वर्धित उपग्रह चित्र संबंधित राज्यों में प्रसारित किए गए।
- 34 आई.आर.एस. डेटा उत्पादों को आपदा प्रबंधन समर्थन के लिए प्रहरी एशिया और अंतरराष्ट्रीय चार्टर में प्रसारित किया गया।

ग. <u>समानव अंतरिक्ष उड़ान:</u>

- **गगनयान जी-1 मिशन:**
  - सेवा मॉड्यूल नोदन प्रणाली समेकन, एकीकरण और रिसाव जांच पूरी हो चुकी है।
  - कर्मीदल बचाव प्रणाली शंकाकार आवरण हार्डवेयर साकार किया गया और प्रेषण-पूर्व समीक्षा पूरी की गई।

- **कर्मीदल मॉड्यूल:**
  - कर्मीदल मॉड्यूल अप-राइटिंग प्रणाली के लिए द्वितीयक प्लवन फुलाव परीक्षण पूरे किए गए।

- **कर्मीदल बचाव प्रणाली:**
  - एस.डी.एस.सी. में निम्न तुंगता बचाव मोटर (एल.ई.एम.) का एस.टी.-03 स्थिर परीक्षण पूरा किया गया।

- **पर्यावरणीय एवं जीवन सहायता प्रणाली (ई.सी.एल.एस.एस.):**
  - तापीय आर्द्रता नियंत्रण प्रणाली (टी.एच.सी.एस.) समेकित परीक्षण (चरण III) - रेडिएटरों के साथ संघनन और गैर-संघनन नेटवर्क दोनों के एकीकृत प्रदर्शन का कार्य पूरा हो गया है।
  - जी1-सर्विस मॉड्यूल (एस.एम.) संरचनाओं पर टी.एच.सी. घटकों का परीक्षण एकीकरण पूरा हो गया है।

घ. <u>अंतरिक्ष विज्ञान:</u>

- समुदाय द्वारा वैज्ञानिक विश्लेषण के लिए चंद्रयान-2, चंद्रयान-3 और एस्ट्रोसैट मिशनों से संबंधित अंतरिक्ष विज्ञान डेटा को भारतीय अंतरिक्ष विज्ञान डेटा केंद्र (आई.एस.एस.डी.सी.) के

सार्वजनिक पोर्टल पर अपलोड किया गया। इन मिशनों से प्राप्त आंकड़ों की कुल मात्रा, जो सार्वजनिक उपयोग के लिए उपलब्ध कराई जाती है, वह 56.8 टी.बी. है।

- 4 सितंबर 2024 को, इसरो और भारतीय भू-चुम्बकत्व संस्थान (आई.आई.जी.) ने अंतरिक्ष विज्ञान अन्वेषण में सहयोग के लिए एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए।

अंतरिक्ष विज्ञान गतिविधियों की अन्य प्रमुख उपलब्धियों में शामिल हैं:

- उष्णकटिबंधीय महासागरों पर द्वि अंतः उष्णकटिबंधीय अपसारी क्षेत्र की परिवर्तनशीलता का पहला प्रत्यक्ष प्रेक्षण।
- चंद्रमा पर संपीडित तनाव के तहत ग्रिथुइसेन क्षेत्र लावा ट्यूब का विरूपण, चंद्रमा पर भविष्य के मानव निवास के लिए प्रासंगिक एक प्रमुख जानकारी।
- निम्न सौर वायुमंडल में ध्वनिक तरंगों के प्रचार विशेषताओं का विश्लेषण, सूर्य के अंदर ऊर्जा संचरण के बारे में प्रमुख जानकारी को उजागर करता है।
- पश्चिमी भारत की अरावली श्रेणियों में बादल विशेषताओं के अध्ययन से पता चलता है कि सिरोस्ट्रैटस बादल सबसे साधारण प्रकार के बादल प्रकार थे। यह बादल संबंधी घटना में मौसमी परिवर्तन भी लाता है, जो जटिल पहाड़ी क्षेत्रों में मौसम पूर्वानुमान में सुधार में मदद कर सकता है।
- गहन अंतरिक्ष में कार्बन नैनोडस्ट का प्रयोगशाला अनुरूपण आयोजित किया गया और उससे यह ज्ञात होता है कि अंतरतारकीय माध्यम में झटके कार्बन रसायन विज्ञान के लिए ऊर्जा प्रदान करते हैं, जो कार्बन के लगभग सभी ज्ञात एलोट्रोप्स बनाते हैं।

ङ. <u>क्षमता निर्माण:</u>

- उ.पू.-सैक प्रयोक्ता विचार-विमर्श बैठक 05-06 सितंबर, 2024 के दौरान उ.पू.-सैक, शिलांग में आयोजित की गई थी।
- इंडस्ट्री इंटरफेस - बेंगलूरु स्पेस एक्सपो (बी.एस.एक्स.) -2024: बेंगलूरु स्पेस एक्सपो 2024, 18-20 सितंबर, 2024 से बेंगलूरु में द्विवार्षिक अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शनी और सम्मेलन (बी.आई.ई.सी.) में हुआ, जिसका आयोजन इसरो, इन-स्पेस और एनसिल के सहयोग से भारतीय उद्योग परिसंघ (सी.आई.आ.ई) द्वारा किया गया। इस वर्ष, "कल में गति लाना: एकीकृत विस्तार के लिए अंतरिक्ष क्षेत्र की क्षमता का दोहन करना", विषय ने ऑस्ट्रेलिया, ब्रिटेन, रूस, स्वीडन और इटली सहित 14 देशों के 150 से अधिक वक्ताओं और 800 से अधिक प्रतिनिधियों को आकर्षित किया।
- महीने के दौरान, दो पेटेंट प्रदान किए गए और तीन नए पेटेंट और तीन कॉपीराइट आवेदन भारतीय पेटेंट कार्यालय (आई.पी.ओ.) में दायर किए गए।
- "युवाओं के लिए स्पेस टूरिंग सर्किट" को संकल्पनात्मक किया गया और भारतीय रेलवे खानपान एवं पर्यटन निगम (आई.आर.सी.टी.सी.) और उच्चतर शिक्षा विभाग, पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के साथ चर्चा के आधार पर कार्यक्रम के निष्पादन के लिए दिशानिर्देश तैयार किए।

च. <u>प्रशिक्षण और कार्यशाला:</u>

क्र.सं.	पाठ्यक्रम का नाम	प्रशिक्षण की अवधि	प्रतिभागियों की संख्या
1.	'वायुमंडलीय और समुद्री खतरों' पर एक	09-13 सितंबर, 2024	9

क्र.सं.	पाठ्यक्रम का नाम	प्रशिक्षण की अवधि	प्रतिभागियों की संख्या
	सप्ताह का प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम		
2.	'आर.एस. - निर्णय निर्माताओं के लिए एक अवलोकन' पर एक सप्ताह का प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम	10 – 14 सितंबर, 2024	24
3.	'यू.ए.वी.-आर.एस. एवं इसके अनुप्रयोग' पर एक सप्ताह का प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम	23 - 27 सितंबर, 2024	11
4.	'उपग्रह रेडार प्रतिबिंबन में उन्नति' पर एक सप्ताह का संरचित प्रशिक्षण कार्यक्रम (एस.टी.पी.)	23 - 27 सितंबर, 2024	28
डी.एल.पी./ऑनलाइन वर्चुअल मोड पाठ्यक्रम और कार्यक्रम			
5.	सी.एस.एस.टी.ई.पी.: 'पृथ्वी प्रेक्षण डेटा का उपयोग करते हुए वन कार्बन डायनेमिक्स मूल्यांकन' पर लघु पाठ्यक्रम	02 – 06 सितंबर, 2024	7 देशों से 19 प्रतिभागी
6.	'अंतरिक्ष प्रौद्यागिकी का अवलोकन'	09 – 20 सितंबर, 2024	303 संस्थानों से 2154 प्रतिभागी
7.	'सुदूर संवेदन और डिजिटल प्रतिबिंब विश्लेषण'	27 अगस्त, 2024 से 20 सितंबर, 2024	1439 संस्थानों से 17968 प्रतिभागी
8.	'क्रायोस्फेरिक खतरों को समझने पर कार्यशाला'	06 सितंबर, 2024	542 संस्थानों से 4916 प्रतिभागी

छ. <u>सुरक्षित एवं सतत अंतरिक्ष संचालनः</u>

- 23 लियो और 30 जियो उपग्रहों के लिए सी.पी.ओ.सी./यू.एस.स्पेसकॉम से 2506 महत्वपूर्ण संयोजन डेटा संदेशों (सी.डी.एम.) के साथ दैनंदिन अंतरिक्ष पिंड निकटता विश्लेषण (एस.ओ.पी.ए.) और निकट दृष्टिकोण स्थिति का पुनर्मूल्यांकन किया गया। एस.एल.-14 रॉकेट बॉडी (कैटलॉग आई.डी. -18153) के कारण गंभीर रूप से निकट दृष्टिकोण जोखिम के विरुद्ध कार्टोसैट-2ए की सुरक्षा के लिए 16 सितंबर, 2024 को एक टकराव से बचाव युक्तिचालन किया गया था। 17 सितंबर, 2024 को राडुगा-2 के साथ सी.एम.एस.02 के एक महत्वपूर्ण संयोजन को 16 सितंबर, 2024 को नियमित नियोजित युक्तिचालन को समायोजित करते हुए हल किया गया था।
- कुल 70 कक्षीय युक्तिचालन (ओ.एम.) योजनाओं की जांच की गई। इनमें से, संभावित पश्च युक्तिचालन संयजनों से बचने के लिए स्क्रीनिंग परिणामों के आधार पर 8 ओ.एम. योजनाओं को संशोधित किया गया था। 21 सितंबर, 2024 को पूर्वानुमानित एस्ट्रोसैट और साओकोम-1ए उपग्रह के बीच संयोजनों के लिए अंतरिक्ष उड़ान सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी (ई.एस.ए.) के साथ समन्वय और अल्पकालिक आदान-प्रदान किए गए।
- चंद्रयान-2 और आदित्य-एल.1 के लिए, पृथ्वी टक्कर परिहार उपकरण (बी.ई.ए.आर.टी.सी.ए.टी.) के माध्यम से संयोजन विश्लेषण किया गया। चंद्रयान 2 कक्षित्र (सी.एच.2ओ.) की पेरील्यून वृद्धि के लिए मूल ओ.एम.-87 योजना (19 सितंबर 2024 को निष्पादित) को 1 अक्तूबर, 2024 के आसपास कोरिया पाथफाइंडर चंद्र कक्षित्र (के.पी.एल.ओ.)

के साथ संभावित करीबी संयोजन जोखिमों से बचने के लिए संशोधित किया गया था। 1 अक्तूबर, 2024 को निर्धारित अगले सुनियोजित परिचालन ओ.एम.-88 के लिए अस्थायी योजना को अन्य चंद्र कक्षित्रों (के.पी.एल.ओ., एल.आर.ओ.) के साथ सुनियोजित परिचालन के बाद संयोजन से बचने के लिए भी समायोजित किया गया था।

- 42 बड़े पिंडों के लिए वायुमंडलीय पुन: प्रवेश पूर्वानुमान किया गया था। इस महीने 36 स्टारलिंक उपग्रह पुनः-प्रवेश थे। एस.ए.एल.एस.ए. के साथ जाँच ऑब्जेक्ट के रूप में, चल रही अंतर-एजेंसी अंतरिक्ष मलबा सहयोग समिति (आई.ए.डी.सी.) -2024 पुनः-प्रवेश अभियान के भाग के रूप में, इसरो की ओर से आई.ए.डी.सी. पोर्टल पर 2 और पुनः-प्रवेश पूर्वानुमान प्रस्तुत किए गए थे। अंतरिक्ष मौसम अलर्ट की नियमित निगरानी की गई और एम.सी.एफ. और इस्ट्रैक की प्रचालन टीम को भू-चुंबकीय तूफान चेतावनी जारी की गई।
- लियो उपग्रहों के पी.एम.डी. के लिए समिति द्वारा की गई सिफारिश के अनुसार 26 सितंबर, 2024 को स्कैटसैट-1 मिशन-पश्च निपटान (पी.एम.डी.) को निष्क्रियता और विघटन के साथ पूरा किया गया था।

ज. <u>अंतरराष्ट्रीय सहयोग:</u>

- उपग्रह और प्रमोचन यानों के लिए दूरमिति अनुवर्तन एवं दूरादेश स्टेशन के प्रचालन तथा अंतरिक्ष अनुसंधान, विज्ञान एवं अनुप्रयोगों के क्षेत्र में सहयोग पर ब्रुनेई दारुस्सलाम सरकार और भारत सरकार के बीच समझौता ज्ञापन पर 04 सितंबर, 2024 को हस्ताक्षर किए गए।
- इसरो/अं.वि. के अध्यक्ष, इसरो/सचिव, अं.वि. के नेतृत्व में पाँच सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल ने 11-13 सितंबर, 2024 के दौरान फोज़ डो इगुआकू, ब्राजील में आयोजित 5वीं अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था मार्गदर्शक बैठक (एस.ई.एल.एम.) में भाग लिया। सचिव, अं.वि./अध्यक्ष, इसरो ने "जलवायु परिवर्तन और सतत विकास: चुनौतियों और अवसर" विषय पर एजेंसी प्रमुखों के सत्र में व्याख्यान दिया। कुछ अंतरिक्ष एजेंसियों के साथ द्विपक्षीय बैठकें भी की गईं।
- स्लोवेनिया के राजदूत एच.ई. मातेजा वोडेब घोष; एच.ई. मि. हकन जेवरेल, विदेश व्यापार राज्य सचिव, अंतरराष्ट्रीय विकास सहयोग और विदेशी व्यापार मंत्रालय, स्वीडन; सी.एन.ई.एस. और एरियन समूह के पदाधिकारियों; और मारुबेनी कॉर्पोरेशन, जापान के पदाधिकारियों ने इसरो, अंतरिक्ष भवन का दौरा किया एवं अध्यक्ष, इसरो और अन्य वरिष्ठ इसरो पदाधिकारियों के साथ सहयोग के संबंधित क्षेत्रों पर चर्चा की।
- ऑस्ट्रेलियाई अंतरिक्ष एजेंसी के प्रमुख ने वैज्ञानिक सचिव, इसरो के साथ द्विपक्षीय बैठक की तथा भारत की अपनी यात्रा के दौरान इसरो (18-20 सितंबर, 2024) के साथ अपने जुड़ाव के हिस्से के रूप में आईसाइट और एस.डी.एस.सी.-शार का दौरा किया।
- अंतरिक्ष सहयोग पर इसरो-इतालवी अंतरिक्ष एजेंसी और इसरो-कोलंबिया की हेलियोफिजिक्स जे.डब्ल्यू.जी. की बैठक चल रहे सहयोग और भावी सहयोग के अन्य संभावित क्षेत्रों पर चर्चा करने के लिए आयोजित की गई थी।
- इसरो और अन्य अंतरिक्ष एजेंसियों जैसे रॉस्कॉस्मॉस, रूस (गगनयान और इंजन सहयोग पर); ए.एस.आई., इटली (हेलियोफिजिक्स जे.डब्ल्यू.जी.); मिनसिएन्सियास, कोलंबिया (जे.डब्ल्यू.जी. की तीसरी बैठक) के बीच बैठकें आयोजित की गई। इसरो ने रॉस्कॉस्मॉस द्वारा आयोजित 6वें ब्रिक्स अंतरिक्ष एजेंसी परामर्श में भी भाग लिया।

झ. <u>इन-स्पेस की गतिविधियाँ:</u>

- इन-स्पेस ने भारत में एक सेवा (जी.एस.ए.ए.एस.) के रूप में भू-स्टेशनों पर एक दस्तावेज जारी किया है, जिसमें भारत में जी.एस.ए.ए.एस. प्रदान करने के इच्छुक भू-स्टेशन प्रचालकों के लिए अवसरों, गतिविधियों के दायरे, नियामक दिशानिर्देशों एवं प्रक्रियाओं तथा आगे की राह का वर्णन किया गया है। इस दस्तावेज़ को इन-स्पेस, बेतार योजना एवं सहयोग स्कंध (डब्ल्यू.पी.सी.) विंग, दूरसंचार विभाग (डी.ओ.टी.), इसरो, भारतीय अंतरिक्ष संघ (आई.एस.पी.ए.) और भारतीय उद्योग परिसंघ (सी.आई.आई.) के संयुक्त प्रयासों के माध्यम से जारी किया गया है।

- उपग्रह प्रचालकों, सेवा प्रदाताओं, टेलीपोर्ट प्रचालकों, डी.टी.एच. प्रचालकों, उद्योग संघों आदि का प्रतिनिधित्व करने वाली 30 से अधिक संस्थाओं के साथ एक-एक कर परामर्श के बाद सैटकॉम-पीओ/इसरो मुख्यालय, सूचना और प्रसारण मंत्रालय (एम.आई. एवं बी.) और डी.ओ.टी. के लाइसेंसिंग प्रभाग के समन्वय से अंतरिक्ष में अगले 5 वर्षों के लिए भारत में सैटकॉम क्षमता की माँग के आकलन पर एक व्यापक रिपोर्ट तैयार की गई थी। सैटकॉम सेवाओं के लिए भारत में गैर-भारतीय उपग्रहों के क्षमता प्रावधान के प्राधिकरण की समीक्षा करते समय, इस पर विचार करने के लिए अंतर-मंत्रालयीन समन्वय के लिए स्थायी समिति (एस.सी.-आई.एम.सी.) को रिपोर्ट प्रस्तुत की गई है।

- गैर-सरकारी इकाइयों (एन.जी.ई.) को अपने 3यू. क्यूबसैट अर्थात् संबूसैट-1 के लिए डी.ओ.टी. के डब्ल्यू.पी.सी. स्कंध के माध्यम से आई.टी.यू. फाइलिंग करने में सक्षम बनाने के लिए मेसर्स अक्षत एयरोस्पेस, बेंगलूरु को परामर्शी नोट जारी किया गया।

- भारत-स्वीडन अंतरिक्ष उद्योग दिवस बेंगलूरु में आयोजित किया गया था। बी.एस.एक्स. 2024 में भारत-ऑस्ट्रेलिया उद्योग गोलमेज सम्मेलन भी आयोजित किया गया था।

- सीड फंड योजना: अवसर की घोषणा (ए.ओ.)-1 एवं 2 के प्रति सीड फंड गारंटी के लिए परियोजना सुविधा और मॉनीटरन समिति (पी.एफ.एम.सी.)-3 आयोजित की गई और समुद्री क्षेत्र में अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी के उपयोग के लिए प्रस्ताव आमंत्रित किए गए।

- भुवनेश्वर में ऊष्मायन-पूर्व उद्यमिता (पाई) बाह्यसंपर्क आयोजित किया गया और अग्निर्वा स्पेस कम्युनिटी के सहयोग से एक ऑनलाइन पाई कार्यशाला भी आयोजित की गई।

- मॉडल रॉकेट्री और कैनसैट: प्रतिभागियों के लिए वर्चुअल प्रश्नोत्तरी सत्र आयोजित किया।

- 'अंतरिक्ष आधारित संचार और नौवहन प्रणली की अनिवार्यताएँ' विषय पर अल्पकालिक पाठ्यक्रम वर्तमान में 21 सितंबर से 05 अक्तूबर, 2024 तक चल रहा है।

- अंतरिक्ष आयोग ने एस.एस.एल.वी. के लिए आधार मूल्य को मंजूरी दे दी है। प्रस्ताव के लिए अनुरोध (आर.एफ.पी.) के लिए शुद्धिपत्र इस आशय के लिए तैयार किया गया है और 02 सितंबर, 2024 को छह चयनित उद्योगों को परिचालित किया गया है। उद्योगों के प्रश्नों का समाधान किया जा रहा है।

- 'सेवा के रूप में सैटेलाइट बस' के प्रस्ताव को इन-स्पेस बोर्ड में मंजूरी दे दी गई।

- सार्वजनिक-निजी भागीदारी (पी.पी.पी.) के तहत भू-प्रेक्षण प्रणाली स्थापित करने के लिए अभिरुचि की अभिव्यक्ति (ई.ओ.आई.) को इन-स्पेस डिजिटल प्लेटफॉर्म में प्रकाशित किया गया है। कुल 35 उद्योगों ने ई.ओ.आई. दस्तावेज़ को एक्सेस किया है।

ञ. <u>एनसिल की गतिविधियाँ:</u>

- एनसिल ने पी.एस.एल.वी. हेतु उड्डयानिकी के लिए वर्तमान प्रोटोकॉल और गुणवत्ता नियंत्रण की प्रक्रियाओं से संघ को परिचित कराने के लिए उद्योग संघ (एच.ए.एल.-एल एंड टी) और इसरो के बीच एक अंतरापृष्ठ बैठक का आयोजन किया।
- सार्वजनिक-निजी भागीदारी (पी.पी.पी.) मॉडल के तहत एल.वी.एम.3 के उत्पादन हेतु प्राप्त आर.एफ.क्यू. बोलियों के मूल्यांकन के लिए पूर्व-मूल्यांकन समिति का गठन किया गया। आर.एफ.पी. के लिए वित्तीय मॉडल को अंतिम रूप दिया जा रहा है।
- एनसिल ने पी.एस.एल.वी. (समर्पित मिशन) पर अपने एन.एस.2 उपग्रहों को प्रमोचित करने के लिए मेसर्स एस.टी. इंजीनियरिंग, सिंगापुर के साथ प्रमोचन सेवा समझौता (एल.एस.ए.) पर हस्ताक्षर किए।
- नवंबर 2024 के दौरान एस.डी.एस.सी.-शार में पी.एस.एल.वी.-सी59/प्रोबा-3 मिशन के लिए प्रमोचन अभियान गतिविधियां प्रारंभ कर दी गई हैं।
- जीसैट-एन2 के लिए फ्लोरिडा, यू.एस.ए. में स्पेसएक्स सुविधा के लिए अंतरिक्ष यान प्रेषण पर काम किया जा रहा है। एनसिल प्रमोचन अभियान गतिविधियों के लिए मेसर्स स्पेक्स के साथ समन्वय कर रहा है।
- जीसैट-7बी के लिए, नीतभार प्रारंभिक डिजाइन समीक्षा (पी.डी.आर.) पूरी हो गई है। बस प्रणाली प्रारंभिक डिजाइन समीक्षा (पी.डी.आर.) प्रगति पर है।
- जीसैट-एन3 के लिए, खुलने योग्य ऐंटेना और गोलाकार बियरिंग के केबल जाली की खरीद शुरू की गई।
- एनसिल ने एक सरकारी प्रयोक्ता और एक दूर-शिक्षा प्रयोक्ता को दो स्थायी आवृत्ति आवंटन पत्र जारी किए हैं। इनके अलावा एक टेलीपोर्ट प्रचालक और एक स्टार्ट-अप को उनके स्वदेशी रूप से डिज़ाइन किए गए आर.एफ. प्रणाली के परीक्षण के लिए दो और अनियत उपयोग आवंटन पत्र जारी किए गए।
- एनसिल और एम.ई.ए.सैट (मलेशिया का उपग्रह ऑपरेटर) ने भारतीय अंतरिक्ष नीति 2023 का अनुपालन करने वाले एक डी.टी.एच. प्रचालक को निरंतर सेवाएं प्रदान करने हेतु एक सहयोग समझौता किया।
- एनसिल भूनिधि-एनसिल इंटरफेस के माध्यम से आई.आर.एस. उपग्रहों से स्वदेशी और विदेशी ग्राहकों को डेटा उत्पाद प्रदान करता है।
- एनसिल ने भारतीय उद्योगों के साथ आठ प्रौद्योगिकी हस्तांतरण समझौतों पर हस्ताक्षर किए हैं।

2. तीन महीने से अधिक समय से लंबित 'अभियोजन की स्वीकृति' के मामलों की संख्या: शून्य

3. ऐसे मामलों का विवरण, जिनमें लेन-देन के व्यावसायिक नियमों या सरकार द्वारा स्थापित नीतियों से विचलन हुआ हो: शून्य

4. चल रहे स्वच्छता अभियान की स्थिति (विशेष अभियान के तहत प्रगति):

सरकार के दिशानिर्देशों के अनुसार, विभाग ने 1 से 15 फरवरी, 2024 के दौरान स्वच्छता पखवाड़ा 2024 के कार्यान्वयन के लिए एक कार्य-योजना तैयार की है और डी.डी.डब्ल्यू.एस. को सूचित किया है और उसे स्वच्छता समीक्षा पोर्टल पर अपलोड किया है।

इस कार्य-योजना के आधार पर, अं.वि./इसरो केंद्रों/यूनिटों/स्वा.नि./सी.पी.एस.ई. ने वरिष्ठ अधिकारियों, कर्मचारियों, आवासीय कॉलोनी के निवासियों, कें.औ.सु.ब. कार्मिकों आदि की सक्रिय भागीदारी के साथ 1 से 15 फरवरी, 2024 तक स्वच्छता पखवाड़ा 2024 मनाया गया। पखवाड़े के दौरान आयोजित कार्यक्रमों के फोटो स्वच्छता समीक्षा पोर्टल पर अपलोड किए गए।

5. स्वायत्त निकायों की स्थिति का युक्तिकरणः

ई.एम.सी. ने सिफारिश की है कि एन.ए.आर.एल. को सरकार के अधीन लाया जाए। एन.ए.आर.एल. के संबंध में समिति की सिफारिशों की समीक्षा की जा रही है।

विभाग के तहत आई.आई.एस.टी., पी.आर.एल., एन.ए.आर.एल. और उ.पू.-सैक जैसे सभी स्वायत्त निकायों को राजकोष एकल खाता के तहत लाया गया है।

6. स्वायत्त निकायों/सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों सहित मंत्रालय/विभाग में वरिष्ठ स्तर की नियुक्तियों की रिक्ति की स्थिति:

अंतरिक्ष विभाग से संबंधित सभी पदों के संबंध में विस्तृत स्थिति को ए.वी.एम.एस. पर अद्यतित की गई है। दिनांक 30.09.2024 तक की रिक्ति के अद्यतन की स्थिति निम्नवत है:

- ए.वी.एम.एस. पर दर्ज किए जाने के लिए आवश्यक पदों की कुल संख्या: - 17
- आज की तारीख तक भरे गए पदों की संख्या: - 14
- आज की तारीख में पूरी तरह से रिक्त पदों की संख्या: - 03
- समय से पहले प्रत्यावर्तन के तहत पदों की संख्या: - 00
- अतिरिक्त प्रभार व्यवस्था के तहत पदों की संख्या: - 01
- अगले 06 महीनों के दौरान रिक्त पदों की संख्या: - 04

7. उन मामलों की सूची, जिनमें ए.सी.सी. निर्देशों का अनुपालन नहीं किया गया है: - शून्य।

* * *